भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

वानिकी समाचार

वर्ष 14 सं. 4 अप्रैल 2022

आज़ादी का अमृत महोत्सव

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ सं.
28वीं वार्षिक साधारण सभा	01
आजादी का अमृत महोत्सव	01
महत्त्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	03
परामर्श	04
मेले में प्रतिभाग	04
कार्यशालाएं / सेमिनार / बैठकें	05
प्रशिक्षण कार्यक्रम	06
प्रकृति कार्यक्रम	08
जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम	08
राजभाषा गतिविधि	09
आकाशवाणी / दूरदर्शन के माध्यम से प्रसार	09
विविध	09
मानव संसाधन समाचार	10

28वीं वार्षिक साधारण सभा

माननीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री, भारत सरकार एवं भा.वा.अ.शि.प. सोसाइटी के अध्यक्ष, श्री भूपेन्द्र यादव की अध्यक्षता में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् (भा.वा.अ.शि.प.) सोसाइटी की 28वीं वार्षिक साधारण सभा का आयोजन 28 अप्रैल 2022 को वन अनुसंधान संस्थान (व.अ.सं.), देहरादून प्रमण्डल कक्ष में किया गया।

भा.वा.अ.शि.प. सोसाइटी की 28वीं वार्षिक साधारण सभा

आजादी का अमृत महोत्सव

- व.अ.सं., देहरादून द्वारा 13 अप्रैल 2022 को पर्यावरण में लाभकारी कीड़ों की भूमिका पर एक दिवसीय वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, वन अधिकारियों और छात्रों ने भाग लिया।

- व.अ.सं., देहरादून द्वारा 22 अप्रैल 2022 को कल्याण हेतु प्राकृतिक सुगंध रसायनों के अनुप्रयोग पर एक आभासी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें ऐतिहासिक प्रवृत्तियों और व्यावसायिक अवसरों के अतिरिक्त सुगंध रसायनों के निष्कर्षण, गुणवक मूल्यांकन और मूल्यवर्धन से संबंधित ज्ञान एवं तकनीकी जानकारी व्याख्यान और आभासी प्रदर्शनों के माध्यम से प्रतिभागियों को साझा की गई

- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा 22 अप्रैल 2022 को इरुलर जनजातियों के स्वयं सहायता समूह के लिए एक जैविक अपशिष्ट आधारित जैव उत्पाद ट्री रिच बायोबूस्टर (टीआरबी) के विकास पर क्षमता निर्माण के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

व.अ.सं., देहरादून द्वारा पर्यावरण में लाभकारी कीडों की भूमिका पर एक दिवसीय वार्ता का आयोजन किया गया

- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा 27 अप्रैल 2022 को व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर में तमिलनाडु राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के कर्मचारियों के लिए कृषि निवेश और जैविक खेती का आयोजन किया गया।

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा महिला सशक्तिकरण पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया गया

- शु.व.अ.सं., जोधपुर द्वारा 14 अप्रैल 2022 को डॉ. बी आर अंबेडकर जयंती मनाई गई।
- उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा बांसः संरक्षण और प्रबंधन पर 5 से 6 अप्रैल 2022 तक दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एमएसएमई क्लस्टर (एफएमसी), मेघालय के फाउंडेशन के अंतर्गत मृदा और जल संरक्षण विभाग के अधिकारियों के समूह ने भाग लिया।

उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा बांसः संरक्षण और प्रबंधन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

- हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा मूलकोटी पंचायत, मशोबरा, जिला, शिमला (हि.प्र.) के ग्रामीणों के लिए 21 अप्रैल 2022 को हिमालयी क्षेत्र में औषधीय पौधों की विविधता और संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- व.उ.सं., रांची द्वारा 29 अप्रैल 2022 को आजीविका सृजन हेतु जैविक खाद का उत्पादन विषय पर एक सेमिनार/प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

व.उ.सं., रांची द्वारा आजीविका सृजन हेतु जैविक खाद का उत्पादन विषय पर एक सेमिनार/प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

- व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा 25 अप्रैल 2022 को वन विज्ञान केंद्र, असम के अंतर्गत कछार वन प्रभाग के सहयोग से सिलचर में बांस और अगरकाष्ठ की खेती पर एक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में किसानों, फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं, जेएफएमसी सदस्यों और गैर सरकारी संगठन के सदस्यों ने भाग लिया।
- व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा 26 अप्रैल 2022 को वन विज्ञान केंद्र, असम के अंतर्गत दीमा हासाव वन प्रभाग के सहयोग से हाफलांग में बांस और अगरकाष्ठ की खेती पर एक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में किसानों, फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं, जेएफएमसी सदस्यों और गैर सरकारी संगठन के सदस्यों ने भाग लिया।

व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा बांस और अगरकाष्ठ की खेती पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया

- व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 8 अप्रैल 2022 को वैयक्तिक, सामाजिक और व्यावसायिक जीवन में एक व्यक्ति के स्वास्थ्य और कल्याण के महत्व पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा सिविल सेवा दिवस के अवसर पर 16 अप्रैल 2022 को ऐतिहासिक मूल्यांकन, महत्व उद्देश्य और लोकतंत्र में सिविल सेवक की भूमिका पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- व.अ.सं., व.आ.वृ.प्र.सं., का.वि.प्रौ.सं., उ.व.अ.सं., व.उ.सं. एवं पा.पु.व.अ.के., प्रयागराज द्वारा 22 अप्रैल 2022 को Invest in our planet (इनवेस्ट इन अवर प्लेनेट) विषय पर विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया।

उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा क्विज एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन करके विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया

शु.व.अ.सं., जोधपुर ने विश्व पृथ्वी दिवस, Invest in our planet विषय के साथ मनाया

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया

पा.पु.व.अ.के., प्रयागराज द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- *अल्बिजिया लेबेक* और *एकेसिया कैटेचु* के बीजों को सुरक्षित नमी स्तर तक सुखाया गया और 5°C भंडारण में रखा गया। 9 प्राप्तियों सहित 8 प्रजातियों के बीज के नमूने भा.कृ.अ.प.– राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरों के जीन भण्डार में जमा किए गए।
- गुणवक रोपण सामग्री विकसित करने की मानक संचालन प्रक्रियाओं के विकास के लिए ओडिशा राज्य वन विभाग द्वारा सूचीबद्ध 30 वृक्ष प्रजातियों के लिए पौधशाला तकनीक पर एक मसौदा मैनुअल तैयार किया गया।
- कुल फीनॉलिक्स मात्रा (टीपीसी) और *पुनिका ग्रेनाटम* के छिलके से पृथक 25% जलीय मेथनॉल निकालने की पात्रे एंटीऑक्सीडेंट क्षमता क्रमशः *फॉलिन कियोकेल्ट्यू* विधि और डीपीपीएच मुक्त मूलज संमार्जन आमापन का प्रयोग करके निर्धारित की गई। सत्त की एंटीऑक्सीडेंट क्षमता, मानक एंटीऑक्सिडेंट एस्कॉर्बिक अम्ल के सत्त से तुलनीय पाई गई, जो इसके टीपीसी के लिए गुण माना जा सकता है।
- रोग प्रतिरोधी कृंतकों के गुणन के लिए व.अ.सं., देहरादून और मीरपुर, हरियाणा में *डलबर्जिया सिस्सू* के वनस्पति गुणन उद्यान की स्थापना की गई।

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर

- डॉ. एन. सेंथिलकुमार, वैज्ञानिक द्वारा राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) द्वारा प्रायोजित परियोजना "बायोप्रोस्पेक्टिंग

पोटेंशिअल ऑफ़ रेड सैंडर्स, *टैरोकार्पस सैंटालिनस* लिनन.एफ., विद स्पेशल रेफरेन्स टू हेल्थ केयर एंड स्किन केयर प्रोपर्टी" के परिणाम के रूप में रक्त चंदन *टेराकार्पस सैंटलिनस* की छाल के सत्त का उपयोग करके "आईसीएफआरई– रेड सैंडल सोप" नाम से चार फ्लेवर में यथा चंदन, चमेली, तुलसी और सुगंधित पेंच पाइन में प्राकृतिक हस्तनिर्मित साबुन बनाए गए, जो रोगाणुरोधी, गैर–प्रदाहक और मधुमेह निवारक और एंटीऑक्सीडेंट क्रियाओं वाले जैव सक्रिय यौगिकों तथा मरोत्ती (हायड्नोकार्पस पेन्टेन्ड्रा) बीज के तेल, जिसका उपयोग कुष्ठ रोग, एक्जिमा और ल्यूकोडर्मा के उपचार में किया जा रहा है, से समृद्ध है, जिसमें एंटीबायोटिक गुणधर्मों सहित 33% सक्रिय एजेंट "हाइडनोकार्पिक अम्ल" है। प्राकृतिक हस्तनिर्मित साबुन "आईसीएफआरई–लाल चंदन साबुन" को "कंसर्विंग बायोडायवर्सिटी ऑफ द ईस्टर्न घाटः चैलेंजस एंड वे फारवर्ड" पर संगोष्ठी और तिरुपति, आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण द्वारा आयोजित तीसरी परियोजना समीक्षा बैठक के दौरान जारी किया गया।

- *पिथेसेलोबियम डल्स* के 11 सीपीटी की पहचान की गई, फलों का संग्रह किया गया तथा फलों के पोषण संबंधी मानदण्डों के लिए फलों की परिपक्वता अध्ययन का मानकीकृत समीपस्थ विश्लेषण किया गया।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

चिलगोजा वन के संरक्षण और संवहनीय प्रबंधन के लिए किन्नौर वन प्रभाग के कल्पा और पूह रेंज के स्थानीय समुदायों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण देने के बाद किन्नौर वन प्रभाग के पूह और कल्पा वन रेंज के 357 किसानों में विनाशकारी कटान पद्धतियों को छोड़ने के लिए व्यवहार में बदलाव देखा गया। स्थानीय लोगों ने शंकु फल तोड़ने के लिए बहुकोणीय लंबी पहुंच वाले प्रूनर्स का उपयोग करने और तोड़ने की अवधि के दौरान वृक्षों पर कुछ शंकु फल छोड़ देने का भी आश्वासन दिया, जो निश्चित रूप से प्राकृतिक पुनर्जनन में योगदान देगा।

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार के 23 प्रभागों से 30 से अधिक प्रजातियाँ दर्ज की गई।
- बांस की 4 नई प्रजातियां यथा *गिगेंटोक्लोआ माइनर एमोइनस, बंबुसा चुंगी, शेरांजी मक्ला* और *गीथा बांस* प्रवेशित की गई।
- प्रमुख आक्रामक प्रजातियों के 30 नई प्राप्ति डेटा दर्ज किए गए।
- दीर्घकालिक अनुश्रवण के माध्यम से भारतीय वनों पर जलवायु संचालित प्रभावों के प्रेक्षण के लिए हरबुल, बुंडू, झारखंड में रखे गए स्थायी नमूना भूखंड में 20 लेपिडोप्टेरान (शलभ) कीड़े और 30 कवक की 10 प्रजातियों की पहचान की गई।

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- वन आनुवंशिक संसाधन परियोजना के अंतर्गत वृक्ष के बीजों के भंडारण के लिए कोल्ड स्टोरेज रूम (5°C और –20°C) की स्थापना की गई।
- मध्य प्रदेश में निकटवर्ती संकटस्थ *टेरोकार्पस मार्सुपियम रॉक्सब* (बिजासल) की परिवर्तनशीलता और प्राकृतिक पुनर्जनन की जांच हेतु मध्य प्रदेश के उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वनों में सात वन स्थलों जैसे सारा, बिरसा, लमटा, बरहा, चाडा, बहोरीबंद और सेमरिया में अध्ययन किया गया तथा यह स्पष्ट पाया गया कि छोटी आबादी के बावजूद, सभी नमूना आबादी में उच्च स्तर की मॉर्फो–आणविक विविधता देखी गई।
- दीर्घकालिक पारिस्थितिक अनुश्रवण, जैव विविधता मूल्यांकन, प्राकृतिक पुनर्जनन स्थिति, मृदा कार्बन स्टॉक, अनुश्रवण रोग, कीट और परागणकों और फीनोलॉजिकल अध्ययन के लिए कान्हा टाइगर रिजर्व में 10–हेक्टेयर स्थायी भूखंड की स्थापना की गई।

परामर्ष

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून

- मैसर्स जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड की रामा लौह अयस्क खदान (एमएल सं 009) और मैसर्स श्री कुमारस्वामी मिनरल एक्सपोर्ट्स प्रा. लिमिटेड (एसकेएमई) की रामदुर्ग लौह अयस्क खान (एमएल संख्या 2141) की उत्पादन क्षमता में वृद्धि पर भा.वा.अ.शि.प. के प्रेक्षण भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के सीईसी को प्रस्तुत किए गए।
- जम्बूनाथहल्ली लौह अयस्क खदान (एमएल सं 1659) के सुधार और पुनर्वास के लिए अतिरिक्त भौतिक उपायों की सिफारिशों पर मसौदा रिपोर्ट मैसर्स केएसएमसीएल को प्रस्तुत की गई।

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के 107 भूखंडों में 372 स्थायी और 212 अस्थायी क्वाड्रेट्स के माध्यम से एनटीपीसी द्वारा रोपित बागान के पांच साल का निगरानी कार्य समापन किया गया। पांच वर्ष के रोपण के बाद मध्य प्रदेश में पौधों की औसत उत्तरजीविता प्रतिशत 83.52% पाई गई, जबकि महाराष्ट्र में 78.42% थी।
- उमरेर और निलजय, नागपुर में डब्ल्यूसीएल की ओपनकास्ट कोयला खदानों में मानसून पूर्व पाये जाने वाले पुष्पों एवं जैव विविधताओं का सर्वेक्षण किया गया।

मेले में प्रतिभागिता

व.व.अ.सं., जोरहाट ने जोरहाट प्रशासन, असम द्वारा आयोजित जोरहाट कोर्ट फील्ड में "स्वनियोजन – स्वरोजगार की ओर एक कदम" में भाग लिया और संस्थान की अनुसंधान और विकास गतिविधियों का प्रदर्शन किया। संस्थान के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा कृषि, बागवानी और वन विषय पर आयोजित एक सत्र का संचालन किया गया तथा 7 से 9 अप्रैल 2022 को "असम में वन आधारित स्वरोजगार के अवसर" विषय पर व्याख्यान दिये गए।

कार्यशालाएं/सेमिनार/बैठकें

क्र.सं.	विषय	तिथि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	बांस प्रवर्धन और प्रबंधन को बढ़ाने के लिए संसाधन आकलन, उत्कृष्ट रोपण सामग्री और प्रौद्योगिकियों पर बैठक	1 अप्रैल 2022	-
2.	सुरक्षित हिमालय परियोजना उत्तराखंड के अंतर्गत राज्य तकनीकी समिति (एसटीसी) की 7वीं बैठक।	11 अप्रैल 2022	-
3.	बीज उत्पादन क्षेत्रों (एसपीए) के लिए भूमि को अंतिम रूप देने के लिए बैठक	14 से 16 अप्रैल 2022	वैज्ञानिक और इफको
4.	बीज संग्रह, संचालन और परीक्षण पर मानक संचालन प्रक्रिया पर सेमिनार	19 अप्रैल 2022	रेंज वन अधिकारी, उप रेंज वन अधिकारी, एसीएफ और वन रक्षक
5.	छात्रों के लिए संस्थान/संगठन की संक्षिप्त गतिविधियों पर सेमिनार	22 अप्रैल 2022	बीएससी आदिपराशक्ति बागवानी कॉलेज के ऑनर्स (बागवानी) छात्र, जी.बी. नगर, कलाविया, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय के रानीपेट (वेल्लोर)
	हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला		
6.	वनाग्नि, इसका प्रबंधन और पीरूल के उपयोग पर सेमिनार	29 अप्रैल 2022	वैज्ञानिक, तकनीकी कर्मचारी और अनुसंधान कर्मचारी
	शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर		
7.	वृक्षों और औषधीय पौधों के संवहनीय उपयोग हेतु उनकी पादपरासायनिक विविधता की खोज पर सेमिनार	29 अप्रैल 2022	तकनीकी अधिकारी और वैज्ञानिक

	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
8.	बोर–होल विधि द्वारा पाइन राल निष्कर्षण और पाइन राल के आर्थिक महत्व पर सेमिनार	29 अप्रैल 2022	संस्थान के समूह समन्वयक (अनुसंधान), सभी विभागाध्यक्ष, अधिकारी, सहायक कर्मचारी, अनुसंधान अध्येता और छात्र
	उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर		
9.	वानिकी में जैव उर्वरकों के अनुप्रयोग पर कार्यशाला	25 अप्रैल 2022	मध्य प्रदेश राज्य वन विभाग के अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी
10.	वानिकी में जैव उर्वरकों के अनुप्रयोग पर कार्यशाला	27 अप्रैल 2022	मध्य प्रदेश राज्य वन विभाग के अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी

प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	विषय	तिथि	लाभार्थी
	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू		
1.	काष्ठ उत्पादन और उपयोग में प्रगति	18 से 22 अप्रैल 2022	प.व.ज.प.मं. द्वारा नामित सेवारत भा.व.से. अधिकारी
2.	चंदनकाष्ठ की खेती और उसका प्रबंधन	27 से 29 अप्रैल 2022	चंदन उत्पादक
	वन उत्पादकता संस्थान, रांची		
3.	बीज संग्रह, प्रबंधन और परीक्षण पर मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी)	19 अप्रैल 2022	राज्य वन विभाग, उड़ीसा
4.	शोधनिबंध–सह–प्रशिक्षण कार्यक्रम	18 से 28 अप्रैल 2022	गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के छात्र
5.	ओडिशा राज्य वन विभाग के अधिकारियों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी)	21 अप्रैल 2022	राज्य वन विभाग, उड़ीसा

6.	प्लस ट्री चयन और पौधशाला तकनीकों पर मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी)।	27 से 28 अप्रैल 2022	राज्य वन विभाग, उड़ीसा

व.अ.सं., राँची द्वारा शोधनिबंध–सह–प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

व.अ.सं., राँची द्वारा प्लस ट्री चयन और पौधशाला तकनीकों पर मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

7.	अगरकाष्ठ की खेती और कृत्रिम संरोपण	19 से 21 अप्रैल 2022	-

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

8.	वानिकी वृक्षारोपण के लिए मानक संचालन प्रक्रिया	21 अप्रैल 2022	ओडिशा वन विभाग
9.	बांसः संरक्षण और प्रबंधन	5 से 6 अप्रैल 2022	एम.एस.एम.ई. समूह (एफएमसी), मेघालय राज्य के अंतर्गत मृदा और जल संरक्षण विभाग के अधिकारी

व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा अगरकाष्ठ की खेती और कृत्रिम संरोपण पर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा बांसः संरक्षण और प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

प्रकृति कार्यक्रम

- मेलेंग प्रांतीय हाई स्कूल, जोरहाट के छात्रों के लिए 27 अप्रैल 2022 को व.व.अ.सं., जोरहाट, की अनुसंधान और विकास गतिविधियाँः बांस की खेती, प्रवर्धन, पौधशाला प्रबंधन, मूल्यवर्धन और बांस संरक्षण तकनीक, जैव प्रौद्योगिकी और ऊतक संवर्धन, वीपीआई इकाई, बन बिथिका, लाख की खेती, वनस्पति उद्यान, ऑर्किडेरियम, कृमिखाद निर्माण आदि की गई।

मेलेंग प्रांतीय हाई स्कूल, जोरहाट के छात्रों द्वारा व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया गया

जागरुकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर

- डॉ. ए. विजयरागवन, वैज्ञानिक–एफ ने 6 अप्रैल 2022 को तमिलनाडु वन विभाग द्वारा आयोजित 217 मासिक सेमिनार में किसानों को "वन के बाहर वृक्ष रोपण" पर एक व्याख्यान दिया।
- श्रीमती के. शांति, मुख्य तकनीकी अधिकारी, ने दिनांक 19 अप्रैल 2022 को एफ.आर.ओ. बैच–2021–2022, कुंडल विकास प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी (वन) कुंडल, सांगली, महाराष्ट्र के प्रशिक्षु अधिकारियों तथा कैसफॉस के प्रशिक्षुओं के समक्ष 22 अप्रैल 2022 को वानस्पतिक प्रसार तकनीकों का प्रदर्शन किया।
- डॉ. एन. जी. पी. आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, कोयम्बत्तूर के 100 छात्रों और 3 प्रोफेसरों को दिनांक 25 अप्रैल 2022 को जैव पूर्वेक्षण प्रभाग की अनुसंधान गतिविधियों से अवगत कराया गया।
- रानी अन्ना राजकीय कॉलेज, तिरुनेलवेली के 36 स्नातकोत्तर छात्रों और 3 प्रोफेसरों को दिनांक 28 अप्रैल 2022 को जैव पूर्वेक्षण प्रभाग की अनुसंधान गतिविधियों से अवगत कराया गया।

वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद

- श्री अनंत शंकर, भा.व.से., जिला वन अधिकारी, विशाखापत्तनम ने व.अ.के.त.पा. का दौरा किया और विशाखापत्तनम जिले में केंद्र द्वारा संचालित मैंग्रोव पर केन्द्रित अनुसंधान परियोजनाओं के बारे में चर्चा करने के लिए डॉ. एस. चक्रवर्ती, वैज्ञानिक–'जी', प्रमुख व.अ.के.त.पा., श्री टी. श्रीनिवास, और डॉ. इल्हाम बानो, वैज्ञानिक–'बी' से मुलाकात की। उन्होंने 4 अप्रैल 2022 को मैंग्रोव के प्रायोगिक रोपण के लिए भूमि की उपलब्धता, बाहरी एजेंसी जैसे ओएनजीसी आदि से वित्त पोषण पर चर्चा की।
- प्रमुख व.अ.के.त.पा. ने वैज्ञानिक के साथ 22 अप्रैल 2022 को स्टील प्लांट अथॉरिटी, विशाखापत्तनम का दौरा किया तथा केंद्र और इसकी अनुसंधान गतिविधियों के बारे में एक प्रस्तुति दी और मैंग्रोव प्रायोगिक रोपण के लिए क्रीक के निकट एपिकोंडा गांव के स्टील प्लांट क्षेत्र का उपयोग करने की अनुमति भी मांगी। उन्होंने स्टील प्लांट से कुछ परामर्श परियोजना के बारे में भी चर्चा की।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, रियाचूर, कर्नाटक के दो संकाय सदस्यों के साथ बीएससी कृषि के 70 छात्रों ने 18 अप्रैल 2022 को हि.व.अ.सं., शिमला का दौरा किया। डॉ स्वर्णलता, वैज्ञानिक–डी ने उन्हें पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से "हि.व.अ.सं. की अनुसंधान उपलब्धियों" के बारे में बताया। छात्रों को विभिन्न प्रयोगशालाओं और प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र में ले जाया गया, जहां संबंधित प्रभारी ने चल रही गतिविधियों के बारे में बताया।
- कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, रियाचूर, कर्नाटक के दो संकाय सदस्यों के साथ बीएससी कृषि अंतिम वर्ष के छात्रों (68 संख्या) ने 20 अप्रैल 2022 को हि.व.अ.सं., शिमला का दौरा किया। डॉ स्वर्णलता, वैज्ञानिक–डी ने उन्हें पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से "हि.व.अ.सं. की अनुसंधान उपलब्धियों" के बारे में बताया। तत्पश्चात, छात्रों को विभिन्न प्रयोगशालाओं और प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र में ले जाया गया, जहां संबंधित प्रभारी ने चल रही गतिविधियों के बारे में बताया।

कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, रियाचूर, कर्नाटक के संकाय सदस्यों सहित बीएससी कृषि के छात्रों द्वारा हि.व.अ.सं., शिमला का दौरा किया गया

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- बांस की खेती, प्रवर्धन, पौधशाला प्रबंधन, मूल्यवर्धन और बांस संरक्षण तकनीक, जैव प्रौद्योगिकी और ऊतक संवर्धन, वीपीआई

इकाई, बन बिथिका, लाख की खेती, वनस्पति उद्यान, ऑर्किडेरियम, कृमिखाद आदि पर व.व.अ.सं., जोरहाट की अनुसंधान और विकास गतिविधियों को निम्न संस्थानों/संगठनों के समक्ष प्रस्तुत किया गया:

- 1 अप्रैल 2022 को पियारा (शिवसागर उद्योग संघ)।
- 1 अप्रैल 2022 को कर्नाटक वन अकादमी से प्रशिक्षु रेंज वन अधिकारियों के लिए।
- 1 अप्रैल 2022 को असम राइफल्स पब्लिक स्कूल, जोरहाट के छात्रों के लिए।
- 1 अप्रैल 2022 को कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश के बीएससी (बागवानी) के छात्रों के लिए।
- 23 अप्रैल 2022 को कर्नाटक वन अकादमी से प्रशिक्षु रेंज वन अधिकारियों के लिए।
- 22 अप्रैल 2022 को सीएयू, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश के बीएससी (कृषि) के छात्रों के लिए।

कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश के बीएससी (बागवानी) के छात्रों द्वारा व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया गया

कर्नाटक वन अकादमी से प्रशिक्षु रेंज वन अधिकारियों द्वारा व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया गया

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- 13 अप्रैल 2022 को जेएनकेवीवी, जबलपुर के बीएससी वानिकी छात्रों के समूह को कृषि वानिकी मॉडल, बांस वाटिका, कीट, पादप प्रवर्धन, बीज प्रबंधन तकनीक से अवगत कराया गया।
- व.अ.के.कौ.वि., छिंदवाड़ा में 18 अप्रैल 2022 से 21 अप्रैल 2022 तक डेनियलसन कॉलेज, छिंदवाड़ा के बीएससी (प्रथम वर्ष) के छात्रों के लिए कृमिखाद, जीवामृत, बीजामृत और पादप आधारित जैव कीटनाशकों की तैयारी विधि का प्रदर्शन किया गया।

जेएनकेवीवी, जबलपुर के बीएससी वानिकी छात्रों द्वारा उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया गया

राजभाषा गतिविधि

- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा 30 मार्च 2022 को का.वि.प्रौ.सं. के अनुसचिवीय कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने 21 अप्रैल 2022 को भा.वा.अ.शि.प. द्वारा आयोजित राजभाषा बैठक में भाग लिया। डॉ राकेश कुमार, वैज्ञानिक और श्रीमती एस. नवीना, अ.श्रे.लि. ने का.वि.प्रौ.सं. की ओर से बैठक में भाग लिया।
- शु.व.अ.सं., जोधपुर द्वारा 28 अप्रैल 2022 को तकनीकी अधिकारियों और वैज्ञानिकों के लिए हिंदी अनुवाद और टंकन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आकाशवाणी/दूरदर्शन के माध्यम से वानिकी का प्रसार

कार्यक्रम विषय	चैनल	दिनांक
हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला		
ग्लोबल वार्मिंग के संदर्भ में हिमाचल प्रदेश में *रोडोडेंड्रोन* संरक्षण – डॉ. वनीत जिष्टू, वैज्ञानिक– 'ई'	ईटीवी	2 अप्रैल 2022

विविध

- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा 15 अप्रैल 2022 को डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 131वीं जयंती मनाई गई। समारोह के दौरान विशिष्ट अतिथि तमिल लेखक श्री पमारन ने अंबेडकर के अनूठे विचारों पर व्याख्यान दिया।

- व.आ.वृ.प्र.सं. के निदेशक डॉ. सी. कुन्हीकन्नन ने 22 अप्रैल 2022 को आयोजित दीक्षांत समारोह के लिए विवेकानंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस फॉर विमेन (स्वायत्त) के मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्षता की और 'स्नातक भाषण' दिया और छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए।
- व.आ.वृ.प्र.सं. के निदेशक डॉ. सी. कुन्हीकन्नन, डॉ. मधुमिता, वैज्ञानिक 'जी' और डॉ. सी. बुवनेश्वरन, वैज्ञानिक–'जी' ने 28 अप्रैल 2022 को आयोजित 28वीं भा.वा.अ.शि.प. सोसाइटी की बैठक में भाग लिया तथा वनीकरण और कृषि वानिकी क्षेत्र में देशी वृक्ष प्रजातियों के पुनरुत्पादन पर एक परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किया।
- डॉ. एन. सेंथिलकुमार, वैज्ञानिक.एफ एंड प्रमुख, सीबीपी प्रभाग ने 26 अप्रैल 2022 को भारथिआर विश्वविद्यालय, कोयम्बत्तूर में मनाए गए विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 2022 में भाग लिया।
- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा 26 अप्रैल 2022 को भारत रत्न डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की 131वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया।
- हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा दिनांक 27 अप्रैल 2022 को स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के सभी अधिकारियों, वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने भाग लिया व संस्थान तथा इसके आस–पास के जंगलो में साफ सफाई की।

HR News

नियुक्तियां (प्रतिनियुक्ति)

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की, भा.व.से. (म.प्र.: 2010) डी.सी.एफ., व.उ.सं., रांची	19.04.2022

सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	दिनांक
डॉ. वाय.सी. त्रिपाठी, वैज्ञानिक–'एफ', व.अ.सं., देहरादून	30.04.2022
श्री प्रेमलाल, अवर सचिव, भा.वा.अ.शि.प. (वीआरएस)	11.04.2022

संप्रत्यावर्तन

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री रामपाल सिंह, हि.प्र.व.से., उप वन संरक्षक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून	11.04.2022
श्री राज कुमार बाजपेयी, भा.व.सं. (झारखंड: 1994), स.म.नि. (प्रशा.), भा.वा.अ.शि.प., देहरादून	13.04.2022

पदोन्नति

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री सुरेन्द्र सिंह नेगी, व.अ.सं., देहरादून	13.04.2022
श्री मनोज कुमार बोरा, व.व.अ.सं., जोरहाट	13.04.2022
श्रीमती सरोज सिसोदिया, शु.व.अ.सं., जोधपुर	20.04.2022

सरंक्षक:
श्री अरूण सिंह रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

संपादक मंडल:
डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक, (राजभाषा), सदस्य

प्रत्याख्यान
- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।